

वन : एक प्राकृतिक संपदा

कृषि कुंभ (सितंबर, 2023),

खण्ड 03 भाग 04, पृष्ठ संख्या 47-49

वन : एक प्राकृतिक संपदा



भूपेन्द्र सिंह

विद्यावाचस्पति छात्र

वनसंवर्धन एवं कृषि वानिकी विभाग,

उधानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालरापाटन, झालावाड़ (राज.), भारत।

Email Id: b.singh96801@gmail.com

प्रस्तावना

जंगल मूल रूप से भूमि का एक टुकड़ा है जिसमें बड़ी संख्या में वृक्ष और पौधों की विभिन्न किस्में शामिल हैं। प्रकृति की ये खूबसूरत रचनाएं जानवरों की विभिन्न प्रजातियों के लिए घर का काम करती हैं। पेड़ों, पौधों और झाड़ियों के साथ कवर एक विशाल भूमि और जंगली जानवरों की विभिन्न प्रजातियों के लिए घर वन के रूप में जाना जाता है। जंगल पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्र का एक अनिवार्य हिस्सा हैं। वे ग्रह की जलवायु को बनाए रखने में मदद करते हैं, वातावरण को शुद्ध करते हैं, वाटरशेड की रक्षा करते हैं। वे जानवरों के लिए एक प्राकृतिक आवास और लकड़ी के एक प्रमुख स्रोत हैं जो कि हमारे दिन-प्रतिदिन जीवन में उपयोग किए जाने वाले कई उत्पादों के उत्पादन के लिए उपयोग की जाती है।

वन शब्द की उत्पत्ति

वन शब्द की उत्पत्ति फ्रांसीसी शब्द से हुई है जिसका मतलब है कि बड़े पैमाने पर पेड़ों और पौधों का प्रभुत्व होना। इसे अंग्रेजी के एक ऐसे शब्द के रूप में पेश किया गया था जो कि जंगली भूमि को संदर्भित करता है जिसको लोगों ने शिकार के लिए खोजा था।

इस भूमि पर पेड़ों द्वारा कब्जा हो भी सकता है या नहीं भी हो सकता। यदि यह बात थी तो कुछ लोगों ने दावा किया था कि जंगल शब्द मध्यकालीन लैटिन शब्द "फोरेस्टा" से लिया गया था जिसका अर्थ था खुली लकड़ी। मध्यकालीन लैटिन में यह शब्द विशेष रूप से राजा के शाही शिकार मैदानों को संबोधित करने के लिए इस्तेमाल किया गया था।

जंगल के प्रकार

दुनिया भर के वनों को विभिन्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। यहां विभिन्न प्रकार के जंगलों का विस्तृत जानकारी दिया गया है जो पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्र का एक हिस्सा बनाते हैं:

1. ऊष्णकटिबंधीय वर्षावन

ये बेहद घने जंगल हैं और इनमें बड़े पैमाने पर सदाबहार वृक्ष शामिल होते हैं जो हर साल हरे भरे रहते हैं। आप हालांकि हरी भरी हरियाली को देख सकते हैं क्योंकि ये कैनोपी के साथ आच्छादित होती हैं और इनमें एक आकस्मिक परत भी होती है ये पर्याप्त धूप से रहित होती और इस तरह से अधिकतर काली और नम होती हैं। इन वनों में वर्ष भर में बहुत अधिक बारिश होती है लेकिन फिर भी तापमान यहां अधिक है क्योंकि ये भूमध्य

रेखा के निकट स्थित हैं। यहां पशुओं, पक्षियों और मछलियों की कई प्रजातियां प्रजनन करती हैं।

2.उप-उष्णकटिबंधीय वन

ये जंगल उष्णकटिबंधीय जंगलों के उत्तर और दक्षिण में स्थित हैं। ये जंगल ज्यादातर सूखा जैसी स्थिति का अनुभव करते हैं। यहां के पेड़ और पौधों गर्मियों में सूखे के अनुकूल होते हैं।

3.पर्णपाती वन

ये जंगल मुख्य रूप से पेड़ों के लिए घर है जो हर साल अपने पत्ते खो देते हैं। पर्णपाती वन ज्यादातर उन क्षेत्रों में हैं जो हल्की सर्दियों और गर्मियों को अनुभव करते हैं। ये यूरोप, उत्तरी अमेरिका, न्यूजीलैंड, एशिया और ऑस्ट्रेलिया सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों में पाए जा सकते हैं। वालनट, ओक, मेपल, हिकॉरी और चेस्टनट पेड़ अधिकतर यहां पाए जाते हैं।

4.टेम्परेट वन

टेम्परेट वनों में पर्णपाती और शंकुधारी सदाबहार पेड़ों का विकास होता है। पूर्वोत्तर एशिया, पूर्वी उत्तरी अमेरिका और पश्चिमी पूर्वी यूरोप में स्थित इन जंगलों में पर्याप्त वर्षा होती है।

5.मोंटेन वन

ये बादल वनों के रूप में जाने जाते हैं ऐसा इसलिए है क्योंकि इन जंगलों में अधिकतर बारिश धुंध से होती है जो निचले इलाकों से होती है। ये ज्यादातर उष्णकटिबंधीय, उप उष्णकटिबंधीय और समशीतोष्ण क्षेत्रों में स्थित हैं। इन जंगलों में ठंड के मौसम के साथ-साथ गहन धूप का

अनुभव होता है। इन वनों के बड़े भाग पर कोनीफर्स का कब्जा है

6.बागान वन

ये मूल रूप से बड़े खेत हैं जो कॉफी, चाय, गन्ना, तेल हथेलियों, कपास और तेल के बीज जैसे नकदी फसलों का उत्पादन करते हैं। बागान वन के जंगलों में औद्योगिक लकड़ी का उत्पादन होता है। ये टिकाऊ लकड़ी और फाइबर के उत्पादन के लिए विशेष रूप से जानी जाती हैं।

7.भूमध्य वन

ये जंगल भूमध्यसागरीय, चिली, कैलिफोर्निया और पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के समुद्र तट के आसपास स्थित हैं। इनमें सॉफ्टवुड और दृढ़ लकड़ी के पेड़ों का मिश्रण है और लगभग सभी पेड़ सदाबहार हैं।

8.शंकुधारी वन

ये जंगल ध्रुवों के पास पाए जाते हैं मुख्य रूप से उत्तरी गोलार्ध और वर्ष भर में ठंड और हवा के मौसम का अनुभव करते हैं। ये दृढ़ लकड़ी और शंकुवृक्ष के पेड़ों के विकास का अनुभव करते हैं। पाइंस, फर, हेमलॉक्स और स्प्रूस का विकास यहां एक आम दृश्य है। शंकुवृक्ष के पेड़ सदैव सदाबहार होते हैं और यहां सूखे जैसी स्थिति को अच्छी तरह से अनुकूलित किया जाता है।

वनों का महत्व

वन पारिस्थितिक तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जंगलों को संरक्षित करने और अधिक पेड़ों का विकास करने की आवश्यकता पर अक्सर जोर दिया जाता है। ऐसा करने के कुछ प्रमुख कारण निम्नानुसार हैं:

1.वायुमंडल की शुद्धि

यह सामान्य सा ज्ञान है कि पौधे ऑक्सीजन लेते हैं और कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं। वे अन्य ग्रीनहाउस गैसों को भी अवशोषित करते हैं जो वातावरण के लिए हानिकारक होती हैं। पेड़ और जंगल हमें पूरी हवा के साथ-साथ वातावरण की भी सफ़ाई करने के लिए मदद करते हैं।

2. वातावरण नियंत्रण

वृक्ष और मिट्टी वायुमंडलीय तापमान को बाष्पीकरण की प्रक्रिया के माध्यम से विनियमित करते हैं। यह जलवायु को स्थिर करने में सहायता करता है। वन तापमान ठंडा रखता है। उनके पास स्वयं के माइक्रोक्लिमेट्स बनाने की भी क्षमता है। उदाहरण के लिए अमेज़न वायुमंडलीय स्थितियों को बनाता है जो आसपास के क्षेत्रों में नियमित रूप से वर्षा को बढ़ावा देता है।

3. पशु और पक्षी के लिए आवास

वन जंगली जानवरों और पक्षियों की कई प्रजातियों के लिए एक घर के रूप में सेवा करते हैं। इस प्रकार जैव विविधता को बनाए रखने के लिए ये एक बढ़िया साधन हैं जो एक स्वस्थ वातावरण को बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी है।

4. प्राकृतिक वाटरशेड

वृक्ष जंगलों से निकल रही नदियों और झीलों पर छाया का निर्माण करते हैं और उन्हें सूखने से बचाए रखते हैं।

5. लकड़ी का स्रोत

लकड़ी के अन्य सामानों में टेबल, कुर्सियां और बिस्तारों के साथ फर्नीचर के विभिन्न टुकड़े बनाने के लिए उपयोग किया जाता है। वन विभिन्न प्रकार के जंगल के स्रोत के रूप में सेवा करते हैं।

6. आजीविका का साधन

दुनिया भर के लाखों लोग सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से अपनी आजीविका के लिए जंगलों पर निर्भर हैं। वनों के संरक्षण और प्रबंधन के लिए लगभग 10 मिलियन लोग प्रत्यक्ष रूप से कार्यरत हैं।

भारत – वन वाला बड़ा देश

भारत ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, चीन, कनाडा, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, रूसी संघ, संयुक्त राज्य अमेरिका, इंडोनेशिया और सूडान के साथ दुनिया के शीर्ष दस वन-समृद्ध देशों में से एक है। अरुणाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र उन राज्यों में से हैं जिनके पास भारत में सबसे बड़ी वन क्षेत्र भूमि है।

वनों की कटाई की समस्या

वनों की कटाई जंगल के बड़े हिस्से में इमारतों के निर्माण जैसे उद्देश्यों के लिए पेड़ों को काटने की प्रक्रिया है। इस जमीन पर फिर से पेड़ों को लगाया नहीं जाता।

आंकड़े बताते हैं कि औद्योगिक युग के विकास के बाद से दुनिया भर के लगभग आधे जंगलों को नष्ट कर दिया गया है। आने वाले समय में यह संख्या बढ़ने की संभावना है क्योंकि उद्योगपति लगातार निजी लाभ के लिए वन भूमि का उपयोग कर रहे हैं। लकड़ी और वृक्षों की अन्य घटकों से विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन के लिए बड़ी संख्या में वृक्षों को भी काटा जाता है। वनों की कटाई के कारण पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इन्हीं कारणों से मिट्टी का क्षरण, जल चक्र का विघटन, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता का नुकसान होता है।